वुमेन आब्जर्वर

पाक्षिक

वुमेन ऑब्जर्वर
पाक्षिक
8/141, मालवीय नगर,
जयपुर-302017
मोबाइल - 08559873580
ई मेल-
womenobserver@gmail.com

वर्ष : 25 अंक : 2 आर.एन.आई.नं. 63262/92 पो.रजि.नं. Jaipur City/208/2016-18 20 जुलाई, 2016 वार्षिक शुल्क : 50 रु. एक प्रति 2.00 रु.

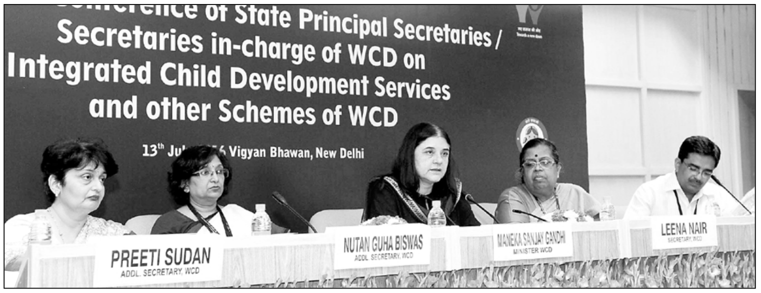
Conference of State Principal Secretaries / Secretaries in-charge of WCD on Integrated Child Development Services and other Schemes of WCD
13th July 2016 Vigyan Bhawan, New Delhi
PREETI SUDAN
ADDL. SECRETARY, WCD
NUTAN GUHA BISWAS
ADDL. SECRETARY, WCD
MANEKA SANJAY GANDHI
MINISTER WCD
LEENA NAIR
SECRETARY, WCD

कुपोषण के मुद्दे के समाधान के लिए

एकीकृत बाल विकास योजना का होगा पूरी तरह कायाकल्प:मेनका

दिल्ली। राज्यों के महिला एवं बाल विकास के प्रभारी सचिवों के एक राष्ट्रीय सम्मेलन का नई दिल्ली में आयोजन किया गया।

केन्द्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय ने एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के साथ-साथ महिलाओं, बच्चों की देखभाल और बच्चों के संरक्षण से संबंधित अन्य योजनाओं की समीक्षा के लिए इस बैठक का आयोजन किया था। 29 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के महिला एवं बाल विकास विभागों के प्रतिनिधियों ने इस बैठक में भाग लिया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती मेनका संजय गांधी ने कहा कि उनका मंत्रालय आईसीडीएस कार्यक्रम का पूरी तरह कायाकल्प कर रहा है, क्योंकि देश में कुपोषण का स्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है। मंत्रालय नीति आयोग, स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालयों और अन्य हितधारकों के साथ तालमेल से कुपोषण की समस्या से युद्धस्तर पर निपटने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और प्रत्येक बच्चे, गर्भवती महिलाओं और दूध पिलाने वाली माताओं की वास्तविक समय निगरानी के लिए हार्डवेयर के साथ-साथ सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन दिए जाएंगे और सुपरवाइजरों को टैबलेट प्रदान किए जाएंगे, जिसके लिए राज्य सरकारों को नई आईटी आधारित प्रणाली अपनाने में मदद देने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण उपलब्ध कराना चाहिए।

श्रीमती मेनका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ को सर्वोच्च प्राथकिता दी है। पोषण कार्यक्रम को एक मिशन के रूप में लागू किया जाना है। राज्यों की सक्रिय भागीदारी के कारण बेटी बचाओए बेटी बढ़ाओ योजना को जबरदस्त सफलता मिल रही है। उन्होंने राज्यों से आईसीडीएस के लिए भी ऐसा प्रदर्शन करने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय वर्तमान लागत मानदंडों का स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहा हैए ताकि लाभार्थियों को बेहतर खाना उपलब्ध कराया जा सके। महिला और बाल विकास मंत्रालय की सचिव सुश्री लीना नायर ने राज्यों से विभिन्न योजनाओं के विशेष रूप से पोषण और आईसीडीएस के लिए उपलब्ध कराए जा रहे धन का उचित उपायोग सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। तकनीकी हस्तक्षेपों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ये प्रयास महिला और बाल विकास योजनाओं को तेजी से और प्रभावी रूप से लागू करने में राज्यों की मदद कर सकते हैं।

मेनका की ट्विटर इंडिया टीम के साथ मुलाकात

दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती मेनका संजय गांधी ने सामाजिक मीडिया विशेष रूप ट्विटर पर परेशान करने, उत्पीड़न और घृणित आचरण के मुद्दों से निपटने के लिए महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाने के लिए ट्विटर इंडिया की सार्वजनिक नीति की प्रमुख सुश्री महिमा कौल के नेतृत्व में ट्विटर इंडिया टीम के साथ मुलाकात की। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की सचिव सुश्री लीना नायर और उनके मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक में उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने महिलाओं और बच्चों को सलाह दी है, कि अगर सामाजिक मीडिया मंचों पर उनके साथ दुर्व्यवहार या उत्पीड़न किया जा रहा हो, तो वे अपनी शिकायतें भेजें। जबसे यह संदेश भेजा गया है, मंत्रालय को बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। शिकायतों के स्वरूप को देखते हुए पूरे मामले पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया है।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यदि किसी भी महिला या बच्चे को सामाजिक मीडिया मंच पर निम्नलिखित प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो उन्हें मंत्रालय को इस बारे में रिपोर्ट करनी चाहिए:-अपमानजनक व्यवहार, हिंसक धमकियां (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष), उत्पीड़न, लक्षित दुर्व्यवहार या उत्पीड़न में लिप्त होना या उन्हें बढ़ावा देना। घृणित आचरण, हिंसा या सीधे हमले को बढ़ावा देना या अन्य लोगों को धमकी देना।

यह निर्णय लिया गया कि मंत्रालय में प्राप्त होने वाली गंभीर किस्म की शिकायतों की रिपोर्ट आवश्यक कार्रवाई के लिए ट्विटर इंडिया पर भेजी जाएगी। बैठक के दौरान, ट्विटर टीम ने कहा कि उनकी अपनी शिकायत निवारण प्रणाली है। प्रभावित व्यक्तियों को इस ट्विटर का लगातार उपयोग करना चाहिए। इस बारे में मंत्रालय भी आवश्यक होने पर साइबर अपराध प्रकोष्ठों के पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर कार्य करेगा।

अनुप्रिया पटेल को मंत्री बनने पर बधाई

दिल्ली। सामाजिक न्याय मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकिशन सैन ने मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारियों राष्ट्रीय सह संयोजक केदारनाथ सचान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दरियाव सिंह कश्यप, हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सतबीर प्रजापति, मुकेश सोनी, सुखबीर प्रजापति, राजेश जांगड़ा, सतनारायण पाचांल, संजय सैन, पी. सी. रोहिल्ला, बलवान बैरागी, आजाद जोगी, बलवान प्रजापति, प्रताप सिंह धोबी आदि के साथ सामाजिक न्याय की नेता श्रीमति अनुप्रिया पटेल को भारत सरकार में मंत्री बनाए जाने पर स्मृतिचिन्ह भेंट कर अनुप्रिया पटेल को बधाई दी और मिठाई बांटी। सैन ने इस नियुक्ति को अति पिछड़ों व किसानों की जीत बताया। मोर्चा ने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह का श्रीमति अनुप्रिया पटेल को मंत्री बनाए जाने पर आभार जताया। इनके मंत्री बनने से अति पिछड़े वर्ग को सरकार में अपनी राजनैतिक हिस्सेदारी और अन्य मांगो को संसद में रखने के लिए एक बड़ा वकील मिल गया है। संसद में पिछड़ो की बात रखने वाली अनुप्रिया पटेल ही एकमात्र सांसद है। सामाजिक न्याय मोर्चा अति पिछड़े वर्ग की मांगों को अनुप्रिया पटेल के माध्यम से संसद में रखेगा।

सामाजिक न्याय मोर्चा

GHADI
DETERGENT
पेश है
कफ और कॉलर
स्पेशलिस्ट
कफ एण्ड कॉलर स्पेशलिस्ट
घड़ी
डिटर्जेन्ट केक
पहले इस्तेमाल करें, फिर विश्वास करें
अब जैसा भी मैल हो,
उसका करें पूरी तरह
से सफ़ाया
पहले इस्तेमाल करें
फिर विश्वास करें
For any suggestion or query, contact: 0512-2223606 | Toll Free No. 1800 120 2800

बाल यौन हिंसा की रोकथाम के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

जयपुर। जिला कलेक्टर सिद्धार्थ महाजन ने कहा कि बाल यौन हिंसा की प्रभावी रोकथाम के लिए दक्ष प्रशिक्षकों को गहनता से प्रशिक्षण लेना चाहिए।

जिला कलेक्टर महाजन जिला प्रशासन, अन्ताक्षरी फाउण्डेशन एवं राजस्थान बाल अधिकार सरंक्षण साझा अभियान के संयुक्तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रथम दिन कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सब का दायित्व है कि जागरूक होकर बालयौन हिंसा को रोका जाये। इसमें सभी सगठनों, संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए तब ही यह अभियान सफल होगा।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर दक्षिण हरिसिंह मीणा ने इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कर प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शहर में बच्चों के मुद्दों पर काम करने वाली 40 से अधिक संस्थाओं के 58 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपखण्ड अधिकारी जयपुर शहर उत्तर व दक्षिण की सीमा शर्मा व सरोज ढाका, महिला थाना जयपुर उत्तर की थानाधिकारी श्रीमती कविता ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में यूनिसेफ के सलाहकार धर्मवीर यादव ने बाल सरंक्षण एवं बाल यौन हिंसा की स्थिति के बारे में, विविधा जयपुर की ममता जेटली ने बाल यौन हिंसा के कारण एवं जैण्डर की अवधारणा पर समूह चर्चा की। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य गोविन्द बेनीवाल ने लैंगिक अपराधों से बालकों का सरंक्षण अधिनियम (पोक्सा) 2012 पर प्रस्तुती के साथ पोक्सों कानून के तहत अपराध, प्रक्रियाए, कानून के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों के बारे में एवं यूनिसेफ के सलाहकार पंकज तिवारी ने पोक्सो कानून के क्रियान्वयन में विभिन्न विभागों में एजेंसियों की भूमिका तथा डॉ. मीता सिंह ने पुलिस, डीसीपीयू, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल कल्याण समिति एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के बारे में तथा क्लीनिकल साइक्लोजिस्ट की सुश्री कविता मंगनानी ने पीडित बच्चों की कांउसिंलिग के बार में विस्तार से जानकारी दी।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने दिया हरियाली का संदेश

जयपुर। चिल्ड्रन एकेडमी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, बनीपार्क, जयपुर की स्पर्श विंग द्वारा राजस्थान स्काउट एवं गाईड कार्यालय परिसर, बनीपार्क, जयपुरमें वृक्षारोपण किया गया।

स्पर्श विंग की सीनियर विशेष शिक्षिका श्रीमती स्नेहलता शर्मा एवं श्रीमती प्रमोदनी सिंह द्वारा एवं स्पर्श के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने वृक्षरोपण कर जयपुर निवासीयों को हरियाली का संदेश दिया। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, सागर जगतानी, सन्नी भारद्वाज, दक्ष टॉक, सिद्दे अग्रवाल, दिव्यम अग्रवाल एवं केशव राठी ने वृक्ष लगाये।

20 स्कूलों की बालिकाओं का सम्मान

जयपुर। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी स्कूल के तुलसी सभागार प्रांगण में बालिकाओं द्वारा बोर्ड परीक्षा-2016 में अपार सफलता उपलब्ध करने एवं उनके भविष्य की प्रगतिशाली उड़ान की कामना के साथ उनको प्रोत्साहन करने के उद्देश्य से प्रतिभाशाली बालिका पुरस्कार वितरण समारोह-2016 का आयोजन किया गया।

रामनगर, शास्त्रीनगर स्थित एसजेएसटी स्कूल प्रांगण में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति मनीष भण्डारी, विशिष्ठ अतिथि मानवाधिकार आयोग सिक्किम के अध्यक्ष जस्टिस एन.के. जैन थे। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध समाजयसेवी नरेश मेहता ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन के बाद दीप प्रज्जवलन से हुआ ।

बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए आयोजित किये गये इस आयोजन में शहर के 20 विद्यालयों की 100 छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया ।इनमें आठवी कक्षा की 30 तथा 10वीं कक्षा की 70 छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। बोर्ड परीक्षा-2016 में 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

समारोह के दौरान बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की भिन्न-भिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दी गई।

श्रमिक महिलाओं ने तम्बाकू सेवन नहीं करने का लिया संकल्प

कोटा। तम्बाकू का सेवन नाश की जड़ है। तम्बाकू युक्त पदार्थ पान मसाला, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट आदि के सेवन से कैंसर रोग होता है तथा अन्य रोग भी इसके सेवन से होते हैं। हर हाल में तम्बाकू जनित उत्पादों का उपयोग नहीं करें यदि करते हैं तो इससे होने वाली शारीरिक हानियों से बचने के लिए शीघ्र इसे बंद करें। उक्त विचार आर्यसमाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा ने अलनियां स्थित राजकीय नर्सरी में कार्यरत महिला श्रमिकों के मध्य व्यक्त किये।

इस अवसर पर आर्यसमाज गायत्री विहार के प्रधान अरविन्द पाण्डेय ने कहा कि तम्बाकू उत्पादों के सेवन से हमारे शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है, शरीर अंदर से खोखला हो जाता है, इससे बचें। तम्बाकू का नशा छोड़ने के लिए अपनी इच्छा शक्ति को दृढ़ रखें। उपस्थित सभी श्रमिक महिलाओं ने हाथ उठाकर तम्बाकू युक्त उत्पादों का सेवन नहीं करने का संकल्प किया।

नरेश मेहता रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष बने

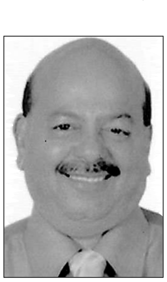

जयपुर। मानव एवं समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत इन्टरनेशनल संस्था रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के चुनावों में प्रसिद्ध समाजसेवी, गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबन्ध ट्रस्टी नरेश मेहता को वर्ष 2016-17 के लिए निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया गया हैं। मेहता का कार्यकाल 1 जुलाई 2016 से प्रारम्भ हो गया हैं जो आगामी वर्ष 30 जून,2017 तक चलेगा। मेहता के साथ ही सचिव के पद पर राम बाबू जैन तथा कोषाध्यक्ष के पद पर चन्द्र कान्त मित्तल चुने गये हैं।

यहां से ईश्वर तो है बहुत दूर, चलो ऐसा करें किसी बेसहारा का सहारा तो बनें।

सम्पादकीय

आधुनिक युग में महिलाओं की स्थिति

भारत के बहुविध समाज में स्त्रियों का विशिष्ट स्थान रहा हैं। पत्नी को पुरूष की अर्धांगिनी माना गया हैं। वह एक विश्वसनीय मित्र के रूप में भी पुरूष की सदैव सहयोगी रही हैं। कहा जाता हैं कि जहां नारी की पूजा होती हैं वहीं देवता रमण करते है। नारी नर की खान है। वह पति के लिए चरित्र, संतान के लिए ममता, समाज के लिए शील और विश्व के लिए करूणा संजोने वाली महाकृति है। एक गुणवान स्त्री काँटेदार झाड़ी को भी सुवासित कर देती हैं और निर्धन से निर्धन परिवार को भी स्वर्ग बना देती हैं। भारतीय समाज में नारी का देवी स्वरूपा स्थान है। एक आदर्श नारी धैर्य, त्याग, ममता, क्षमा, स्नेह, समर्पण, सहनशीलता, करूणा, दया परिश्रमशीलता आदि गुणों से परिपूर्ण हैं। महादेवी वर्मा ने कहा है कि नारी केवल एक नारी ही नहीं अपितु वह काव्य और प्रेम की प्रतिमूर्ति हैं। पुरूष विजय का भूखा होता हैं और नारी समर्पण की, वास्तव में भारतीय नारी पृथ्वी की कल्पलता के समान हैं। भारतीय नारी घर परिवार में गृह स्वामिनी के रूप में गृहिणी, पुरूष की अभिन्न सहचरी के रूप में अर्द्धांगिनी, गृह की समृद्धि के रूप में गृह लक्ष्मी आदि अलंकारों से सुशोभित थी। कोई भी अनुष्ठान, अभियान एवं कर्म उसके बिना पूरा नहीं माना जाता था। उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति में बदलाव प्रारम्भ हो गया। बाल विवाह, बहुविवाह आदि का विशेष प्रचलन हो गया, नारी स्वतन्त्रता में बाधा उत्पन्न हो गई, इस काल में नारी जीवन पर अंकुश लग गया और वह सामाजिक नीति नियमों से अपनी स्वतन्त्रता खो चुकी थी। वैवाहिक स्वतन्त्रता समाप्त हो गई। बौद्ध काल तथा बाद में नारी जीवन में आशातीत परिवर्तन हो गया। अब वह केवल भोग की वस्तु बन कर रह गई। बाल विवाह, पर्दा प्रथा, अनमेल विवाह, बहुविवाह, उत्तराधिकार की शून्यता का प्रादुर्भाव हो गया। तत्कालीन संतो, कवियों और लेखकों ने भी नारी जीवन को हेय बना दिया। उसे केवल घर की चार दीवारी का ही प्राणी मानकर अबला का स्वरूप दे दिया गया। नारी को महा ठगिनी, भोग्या और अवगुणों की खान तक वर्णित किया गया।

इक्कीसवी शताब्दी भारतीय नारी के लिए वरदान सिद्ध हुई हैं। आज की नारी अबला नही सबला बन गई हैं। अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आँचल में हैं दूध और आँखों में हैं पानी, वाली यह गुप्त जी की उक्ति निर्मूल हो चुकी हैं। वह अबलापन की भावनाओं को तिलांजली देकर विकास के सोपान पर अग्रसर हैं। वह किरण बेदी तो कल्पना चावला भी हैं। गोल्ड स्मिथ ने कहा हैं कि स्त्री पुरूषों की अपेक्षा अधिक बुद्धिमान होती हैं क्योंकि वह जानती कम और समझती अधिक हैं। भारतीय वायु सेना के सबसे बडे जहाज आईपीएल 76 को उड़ाने वाली देश की प्रथम महिला पायलट वीणा सहारण ही हैं। गणतन्त्र दिवस 2012 के समारोह के अवसर पर दिल्ली के राजपथ पर आयोजित होने वाली परेड में भारतीय वायु सेना की टुकड़ी का नेतृत्व करने वाली स्नेहा पहली महिला अधिकारी हैं। मिसाइल मैन एपीजे अब्दूल कलाम की विरासत को आगे बढ़ा रही अग्नि मिसाइल की प्रोजेक्ट डायरेक्टर के सी थॉमस को मिसाइल वुमन और अग्निपुत्री के नाम से गौरवान्वित किया गया हैं। एक सर्वे के अनुसार भारत में कुल 9 लाख 95144 लघु उद्योग उद्यमशील महिलाओं द्वारा संचालित हैं। साक्षरता की दृष्टि से भी महिलाओं ने प्रगति की हैं आज केरल में शत प्रतिशत महिलाएं साक्षर हैं। राष्ट्रीय कार्यक्रमों में स्वयं सहायता समूह महिला विकास के लिए वरदान सिद्ध हुए हैं। इन समूहों के द्वारा तकनीकी ज्ञान की प्राप्ति के साथ ही अपने निजी उद्योग स्थापित करने में भी सक्षम बन गई हैं।

जहाँ नारी ने आशातीत प्रगति की है वहीं आज पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव नारी समाज में दिखाई देने लगा हैं। मान मर्यादाओं में ह्रास हुआ हैं। परिवार परिवेदनाएं बढी हैं। नारी जाति का वह शील स्वभाव तिरोहित होता जा रहा हैं। पहनावे में भोंडापन आ गया हैं। महिलाओं में स्वछन्दता घर करती जा रही हैं, तलाक और परित्याग की स्थितियों को बल मिला हैं। टीवी चेनलों पर प्रसारित धारावाहिकों में नारी की भूमिकाएं विद्रूपता लिए हुए हैं। सामाजिक षडयन्त्रों में नारी का चित्रण विचारणीय हो गया हैं, व्याभिचार, यौन शोषण, नग्नता का प्रदर्शन और अश्लील दृश्यों का कुप्रभाव नई पीढी पर पड़ता जा रहा हैं। फिल्मी गीत, पॉप संगीत, नग्न नृत्य तथा वेश विन्यास का अभद्र प्रदर्शन युवाओं को कुत्सित करने में सक्रिय बना हुआ हैं, वेलेन्टाइन डे के बहाने कई अपराध हो रहे हैंए विज्ञापनों के माध्यम से नारी देह का अश्लील प्रदर्शन हो रहा हैं। यही कारण है कि महिलाओं के साथ दुष्कर्म की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही हैं। आये दिन दुराचार, व्याभिचार और छेड़छाड़ की घटनाएं होती रहती हैं। महिलाएं असुरक्षित हो रही हैं इसके लिए महिला जागरूकता के साथ ही समाज और सरकार के द्वारा प्रभावी प्रयास करना आवश्यक हैं। वर्तमान में पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं की जन्मदर घट रही हैं। इसके लिए महिला उत्पीडन जिम्मेदार हैं। बेरोजगारी, आर्थिक संकट, दहेज को बढावा, महिलाओ द्वारा आत्म हत्या एवं भ्रूण हत्या आदि तथ्य जिम्मेदार हैं। वह समय दूर नहीं हैं जब महिलाओं की घटती संख्याओं के कारण पुरूषों के लिए वैवाहिक समस्या उत्पन्न हो जाएगी तथा समाज में महिलाओं पर अत्याचार व व्याभिचार बढ जाएगा, अत: इस ज्वलन्त संकट से मुक्ति पाने का प्रयास भी आवश्यक हैं।

सेवाभावी महिलाओं को मिला सम्मान

जयपुर। मातृ शक्ति सेवा न्यास राजस्थान की ओर से केशव नगर, सिविल लाइन्स स्थित सामुदायिक केन्द्र में वरिष्ठ महिलाओं को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए स्वर्णिम आभा 2016 सम्मान से सम्मानित किया गया।

संस्था अध्यक्ष शशि मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष सरोज कुमारी तथा विश्व हिन्दू परिषद की केन्द्रीय मंत्री एवं संस्था की अखिल भारतीय संयोजिका मीनीक्षी पिश्वे ने मुख्य अतिथि के रूप में तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्व हिन्दू परिषद की केन्द्रीय उपाध्यक्ष मीना भट्ट का उद्बोदन प्रदान किया।

वक्ताओं ने अपने उद्बोदन में कहा कि हिन्दु समाज को संगठित होकर रहना होगा तभी भविष्य की समस्याओं आंतकवाद आदि से मुकाबला किया जा सकता है। शशि मिश्रा, अनिता वैष्णव, माया टंडन, सुषमा पारीक आदि के संयोजन में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में अधिकतर महिलाएं भारत माता की जय आदि के उद्घोष लगा रहीं थी। जानकारी देते हुए माया टंडन ने बताया कि सम्मान में डॉ मनोरमा पटवर्धन, विश्वेश्वरी ज्यूतसी, मीम कँवर लोढ़ा, उर्मिला उपाध्याय, गोमती अग्रवाल, कमला राठी, कौशल्या चौपड़ा, क्रान्ति माथुर, मालती गुप्ता, विमला कुमावत जैसी प्रतिष्ठित, समाजसेवी महिलाओं का चयन किया गया था जिन्हें आयोजित समारोह में शॉल उडाकर स्मृति चिन्ह व मोमेन्टो प्रदान कर उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

जालोर में लगेंगे चार लाख पौधे:मेघवाल

जयपुर। श्री कल्पतरु संस्थान महिला शाखा की और से झालाना वन क्षेत्र में सघन पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के तहत अमरूद, पीपल, बरगद, नीम आदि के पोधे लगाए गए। संस्थान डिवीजन वार्डन प्रिया गुप्ता ने बताया की शुभारम्भ जालोर विधायक अमृता मेघवाल ने पीपल का पौधा लगाकर किया। महिला कार्यकर्ताओं को सम्बोदित करते हुए मेघवाल ने संस्थान के कार्यों की सराहना की और संस्थान के माध्यम से जालोर विधान सभा क्षेत्र में चार लाख पोधे विधायक कोष और भामाशाहों के सहयोग से लगाकर उनके देखरेख की व्यवस्था करने की घोषणा की।

मुस्लिम महिलाओं में तुलसी लेने की मची होड़

जयपुर। शहर में इन दिनों पर्यावरण सरक्षण को लेकर जागरूकता देखते ही बनती है। ऐसा पहली बार देखने को मिला कि मुस्लिम महिलाओं में तुलसी के पोधे लेने की होड़ मची रही। साथ ही कब्रिस्तान में पीपल, बरगद, आंवला जैसे पोधे खुद मुस्लिम धर्म गुरुओं ने लगाए। श्री कल्पतरु संस्थान और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संयुक्त तत्वाधान में शास्त्री नगर की भट्टा बस्ती स्थित कब्रिस्तान में अनूठी पहल दरख़्त परिंदों का मज़हब नहीं होता के तहत बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया गया। शुभारम्भ मंच की राष्ट्रीय संयोजिका रेशमा हुसैन एवं वक्फ बोर्ड के चेयरमेन अबुबकर नक़्वी ने पीपल का पौधा लगाकर की। पौधरोपण के बाद बस्ती में तुलसी के पोधे निशुल्क वितरित किये गए।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच
जयपुर (राज.) (मुस्लिम तहरीक) - एक नई राह

अभियान के तहत महिलाओं में तुलसी के पोधे लेने की होड़ मची रही। रेशमा हुसैन ने अभियान की सराहना करते हुए कहा की कुरान पाक में तुलसी को रेहान कहा गया है और इसे औषधीय पौधा माना गया है। आज से पहले मुस्लिम समाज तुलसी जैसे पौधों से दूर रहा लेकिन आज सभी को समझ में आने लगा है की दरखत परिंदों का मजहब नहीं होता। वहीं नक़्वी ने वक्फ बोर्ड से अभियान को मदद का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर हाबिद हुसैन, डॉ मुन्नवर चौधरी, जमीला, पूनम शर्मा, रुखसार, मोहमद उमर, मोहम्मद ज़हिर, आकाश बेनीवाल, ऋषि प्रताप सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक श्रीमती सुधा बहल द्वारा श्रीराम ऑफसैट, जोरावरसिंह गेट, जयपुर में मुद्रित कराकर 8/141 मालवीय नगर, जयपुर-302017 से प्रकाशित।
सह सम्पादक - पुनीत बहल। मोबाईल : 08559873580, ई मेल : womenobserver@gmail.com

नाबार्ड, राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर
NABARD

नाबार्ड का 35 वां स्थापना दिवस

जन सहभागिता के बिना जल प्रबंधन संभव नहीं :राजेंद्र सिंह

जयपुर। नाबार्ड के राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय ने अपने जयपुर स्थित कार्यालय परिसर में नाबार्ड का 35वां स्थापना दिवस मनाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वर्ष 2015 के स्टॉकहोम वाटर पुरस्कार और रोमन मेगसेसे पुरस्कार से अलंकृत राजेंद्र सिंह थे। समारोह में भारतीय रिज़र्व बैंक, जयपुर के मुख्य महाप्रबंधक पी.के.जेना और राज्य स्तरीय बैंकेर्स समन्वय समिति के उप महाप्रबंधक एस के पाटनकार व अन्य बैंकों, एनजीओ के अधिकारी एवं नाबार्ड सदस्य उपस्थित रहे।

जल भागीदारी समुदाय के प्रणेता, राजेंद्र सिंह ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा, जल के समुचित प्रबंधन के बिना कोई और विकास संभव नहीं है। सिंह का मानना है कि जल तो समुदाय का है और समुदाय की प्रतिभागिता के बिना जल का समुचित प्रबंधन संभव नहीं है। सिंह के अनुसार सूखे का कारण, पानी की कमी नहीं, जल के संचयन और संरक्षण के प्रयासों का अपर्याप्त होना है। वो कहते हैं कि हम धरती से जितना जल लेते हैं उतना रीचार्ज के द्वारा लौटाते नहीं है। उन्होने नाबार्ड को कहा कि नाबार्ड को कृषि और जल संरक्षण और जल संचयन की अधिक से अधिक परियोजनाएं बनाए और उनको लोगों की सहभागिता के साथ लागू करने के प्रयास करने चाहिए। इससे पूर्व नाबार्ड राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालय की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमति सरिता अरोरा ने मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह और अन्य सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत करते हुए वर्ष 1982 में नाबार्ड की स्थापना के बाद 34 वर्षों में कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उपलब्धियों और आने वाले वर्षों में राजस्थान के विकास के लिए नाबार्ड की प्राथमिकताओं को भी गिनाया।

श्रीमति अरोरा ने राजेन्द्र सिंह के द्वारा देश में जोहड़ जैसे जल संचयन की पीढ़ियों पुराने पारम्परिक देशी तरीकों से जल के श्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए जो अद्भुत योगदान दिया है उसके लिए उनका अभिनंदन किया। मुख्य महाप्रबंधक ने बताया कि नाबार्ड अपनी स्थापना के समय से ही सिंचाई योजनाओं को बनाने में भूगर्भ जल के ड्राफ्ट और रिचार्ज़ पर भी ध्यान देता रहा है।

नृत्य नाटिका में जयपुर की महिला टीम को प्रथम पुरस्कार

जयपुर। पुष्कर में आयोजित अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक और पश्चिमांचल अधिवेशन अनुभूति 2016 के अवसर पर आचंलिक स्तर पर आयोजित नृत्य नाटिका में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक महिला संगठन से सम्बद्ध जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पांच हजार का पुरस्कार जीता।

नृत्य नाटिका की थीम थी-तीज का त्यौहार। जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उमा परवाल के अनुसार इस टीम में विजयश्री तापड़िया, सुनिता जैथलिया, नेहा परवाल, करिश्मा खटोड़, रिन्कू बाहेती, संतोष बजाज, शिखा लढ्ढा एवं पूनम दरगड़ शामिल थीं। इसके अलावा लोरी प्रतियोगिता में जयपुर की ज्योति तोतला को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आंगनबाड़ी केन्द्रों को आदर्श बनाने की कवायद शुरू

जयपुर। जामडोली सामुदायिक भवन में आदर्शनगर विधानसभा क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को आदर्श बनाने की कवायद शुरू हो चुकी है। इसके लिए क्षेत्र के 200 आंगनबाड़ी केन्द्रों के 2100 बच्चों को एक जैसी ड्रेस बांटी गई। अब क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चे एक ही ड्रेस में नजर आएंगे।

इस अवसर पर पार्षद श्रीमती सुनिता, मुकेश मीना, कैलाश जटवाड़ा, अनुराग खेतान, मंडल के अध्यक्ष शंकर शर्मा व सैकड़ो भाजपा एवम सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। क्षेत्र में चल रही सभी आंगनबाड़ियों को पूरे राजस्थान में आदर्श बनाना है। आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चे भी गुणवत्ता वाली शिक्षा ग्रहण कर सके, बच्चों को आकर्षित माहौल मिले इसके लिए बच्चों को एक समान ड्रेस वितरित कर यह शुरूआत की है।

बेटी बचाओ

सुमाया राखी एक्जीबिशन 2016

जयपुर। सुमाया ग्रुप की ओर से मालवीय नगर स्थित गौरव टॉवर के सामने अनुविभा केंद्र में दिनांक 6-7 अगस्त को सुमाया राखी एक्जीबिशन 2016 आयोजित हो रही हैं। इस भव्य प्रदर्शनी में करीब 70 स्टॉल की व्यवस्था की गयी हैं। इस प्रदर्शनी में जयपुर के जाने माने बुटिक्स, गृह उद्यमियों, ज्वेलर्स हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य घर में छुपी हुई प्रतिभाओं को निखार कर एक मंच पर रूबरू करना हैं। राखी पर्व को ध्यान में रखते हुए राखियां, गिफ्ट आइटम्स, राखी थालियां, डिज़ाइनर कपडे, ज्वेलरी के अलावा और भी कई आइटम्स एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

SUMAYAA
"Rakhi Exhibition"
6-7 August 2016

Anuvibha Kendra,
Opp. Gaurav Tower,
Malviya Nagar, Jaipur
☎ 9928366294
9314172819
sumayaaexhibition
Educate one child around you, India will be educated itself.